



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 223]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 26, 1995/ज्येष्ठ 5, 1917

No. 223]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 26, 1995/JYAISTHA 5, 1917

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 मई, 1995

सं. 36/195 सीमाशुल्क (एन टी.)

सा. का. नि. 440(अ):— केन्द्रीय सरकार, सीमा-  
शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 74  
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, निम्नलिखित  
नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ — (1) इन  
नियमों का संक्षिप्त नाम आयातित माल का पुनः  
निर्यात (सीमाशुल्क की वापसी) नियम, 1995 है।

(2) इनका विस्तार संपूर्ण भारत पर है।

(3) ये 26 मई, 1995 को प्रवृत्त होंगे।

2 परिभाषाएं— इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ  
से अन्यथा अपेक्षित न हो—(क) भारत के बाहर निर्यातित  
किसी माल के संबंध में, “वापसी” से सीमाशुल्क अधिनियम की  
धारा 74 के निबंधनों के अनुसार ऐसे माल के आयात  
पर संदत्त शुल्क का प्रतिदाय अभिप्रेत है ;

(ख) “निर्यात” से, उसके व्यावहारिक रूप भेदों और  
सजातीय पदों सहित भारत से बाहर किसी स्थान को  
ले जाना अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत किसी विदेशी  
पत्तन या विपनपत्तन की ओर जाने वाले जलयान या वायुयान  
के फलक पर उपयोग के लिए, रसद या सामान या उपस्कर  
की लदाई भी है।

3. डाक द्वारा निर्यातित माल के संबंध में वापसी का  
दावा करने के लिए प्रक्रिया—

(1) जहां इन नियमों के अधीन वापसी के लिए किसी  
दावे के अधीन डाक द्वारा माल का निर्यात किया जाता  
है, वहां—

(क) बाहरी पैकिंग पर परेषिती के पते के साथ  
स्पष्ट अक्षरों में “वापसी निर्यात” शब्द में भी होंगे।

(ख) निर्यातकर्ता, सक्षम डाक प्राधिकारी को, पार्सल या  
पैकेज के साथ, उपाबंध 1 पर दिए गए प्ररूप में सम्यक्  
रूप से भरा गया दावा चार प्रतियों में परिचित करेगा ;

(2) समुचित सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा डाक प्राधि-  
कारियों से पूर्वोक्त दावा प्ररूप प्राप्त होने की तारीख को  
धारा 75क के प्रयोजन के लिए निर्यातकर्ता द्वारा वापसी

दावा फाईल करने की तारीख समझा जाएगा और उसकी सूचना समुचित सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा निर्यातकर्ता को ऐसे प्ररूप में दी जाएगी जो सीमाशुल्क कलक्टर विहित करे।

(3) यदि पूर्वोक्त दावा प्ररूप सभी प्रकार से पूर्ण नहीं है, तो निर्यातकर्ता को डाक प्राधिकारियों से उसकी प्राप्ति के पन्द्रह दिन के भीतर उसमें की कमियों के बारे में सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विहित प्ररूप में कमी ज्ञापन द्वारा सूचित किया जाएगा और ऐसे दावे के बारे में यह समझा जाएगा कि वह उपनियम (2) के प्रयोजन के लिए प्राप्त नहीं हुआ है।

(4) जब निर्यातकर्ता कमी ज्ञापन में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का कमी ज्ञापन के प्राप्त होने के तीन दिन के भीतर पालन कर देता है, तो उसे सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विहित प्ररूप में समुचित अधिकारी द्वारा अभिस्वीकृति जारी की जाएगी और ऐसी अभिस्वीकृति की तारीख को धारा 75 क के प्रयोजन के लिए दावा फाईल करने की तारीख समझा जाएगा।

4. डाक से भिन्न निर्यातों के संबंध में दिए जाने वाले विवरण की जाने वाली घोषणाएं—

(i) डाक से भिन्न निर्यातों की वशा में, निर्यातकर्ता, माल के निर्यात के समय, —

(क) पोत परिवहन पत्र या निर्यात पत्र पर वर्णन, परिमाण और ऐसी अन्य विशिष्टियों का, जो वह विनिश्चित करने के लिए कि माल धारा 74 के अधीन वापसी का हकदार है, या नहीं, आवश्यक हो, विवरण देगा और मुसंगत पोत परिवहन पत्र पर या निर्यात पत्र पर यह घोषणा करेगा कि—

(i) निर्यात सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 74 के अधीन वापसी के लिए दावे के अधीन किया जा रहा है ;

(ii) आयातित माल पर सीमा-शुल्क संदत्त किया गया था

(iii) आयातित माल को आयात किए जाने के पश्चात उपयोग में नहीं लाया गया था; या

(iv) माल को उपयोग में लाया गया था।

(ख) समुचित सीमाशुल्क अधिकारी को प्रवेश पत्र या किसी ऐसे अन्य विहित दस्तावेज की प्रति जिसके अधीन माल को आयात के संबंध में निकासी की गई थी,

आयात बीजक, शुल्क के संदाय का दस्तावेजी साध्य, निर्यात बीजक तथा पैकिंग सूची और माल का पुनः निर्यात के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की अनुज्ञा, जहाँ-जहाँ आवश्यक हो, देगा।

5. डाक से भिन्न निर्यातित माल के संबंध में वापसी का दावा करने की रीति और समय —

(1) इन नियमों के अधीन वापसी के लिए कोई दावा उपबंध 2 के प्ररूप में उस तारीख से, जिसको समुचित सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा धारा 51 के अधीन निर्यात के लिए माल की निकासी और लवाई अनुज्ञात करने वाला आदेश किया जाता है, तीन मास के भीतर किया जाएगा ;

परन्तु यदि सीमाशुल्क सहायक कलक्टर को यह समाधान हो जाता है कि निर्यातकर्ता पर्याप्त कारण से तीन मास की पूर्वोक्त अवधि के भीतर अपना दावा फाईल करने से निवारित हो गया था, तो वह निर्यातकर्ता को तीन मास की और अवधि के भीतर अपना दावा फाईल करने के लिए अनुज्ञात कर सकेगा।

(2) दावा, निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ, दो प्रतियों में फाईल किया जाएगा, अर्थात्—

(क) उस पोत परिवहन-पत्र की, जिस पर निर्यात के समय समुचित सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा अभिलिखित जांच रिपोर्ट है, सीसरी प्रति,

(ख) प्रवेश पत्र या किसी ऐसे अन्य विहित दस्तावेज की प्रति जिसके अधीन माल की आयात के संबंध में निकासी की गई थी ;

(ग) आयात बीजक ;

(घ) माल के आयात के समय संवत्त शुल्क के संदाय का साध्य ;

(ङ) माल का पुनः निर्यात करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की अनुज्ञा जहाँ-जहाँ आवश्यक हो ;

(च) निर्यात बीजक और पैकिंग सूची,

(छ) लदान-पत्र या वायु मार्ग पत्र की प्रति ;

(ज) कोई अन्य दस्तावेज, जो कभी ज्ञापन में विनिर्दिष्ट किए जाएं।

(3) धारा 75 क के प्रयोजन के लिए दावा फाईल करने की तारीख ऐसे दिनों, पर जो सभी प्रकार से पूर्ण है, तारीख उसे प्राप्त स्टॉप लगाए जाने की तारीख होगी और जिसके लिए अभिस्वीकृति ऐसे प्ररूप में जारी की जाएगी, जो सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विहित किया जाए।

(4) कोई ऐसा दावा, जो किन्हीं तात्त्विक विशिष्टियों में अपूर्ण है या उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट दस्तावेजों के बिना है, धारा 75 क के प्रयोजन के लिए प्रति ग्रहण नहीं किया जाएगा तथा ऐसा दावा, प्रस्तुत किए जाने के पन्द्रह दिन के भीतर, सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विहित प्ररूप में कमी ज्ञापन के साथ दावेदार को लौटा दिया जाएगा; यह समझा जाएगा कि वह फाईल नहीं किया गया है।

(ख) जहाँ निर्यातकर्ता कमी ज्ञापन में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का कमी ज्ञापनों के प्राप्त होने की तारीख से

तीस दिन के भीतर पालन कर लेना है वह उसे उपनियम (1) के अधीन फाईल किया गया दावा माना जाएगा।

(5) जहां समुचित सीमाशुल्क अधिकारी के किसी आदेश के विरुद्ध कलक्टर (अपील केन्द्रीय सरकार या किसी न्यायालय द्वारा वापसी के संदाय के लिए कोई आदेश किया जाता है, वहां निर्यातकर्ता, यथास्थिति कलक्टर (अपील) केन्द्रीय सरकार या न्यायालय द्वारा इस प्रकार पारित आदेश के प्राप्त होने की तारीख से तीन मास के भीतर इस नियम में विहित रीति से दावा फाईल कर सकेगा।

#### 6. वापसी और व्याज का संदाय :—

(1) इन नियमों के अधीन वापसी और व्याज, यदि कोई हो, सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा निर्यातकर्ता को या निर्यातकर्ता द्वारा वापसी और व्याज की उक्त रकम प्राप्त करने के लिए विशेष रूप से प्राधिकृत अधिकारी को संदाय किया जाएगा।

(2) वापसी और व्याज के संदाय की तारीख

(क) चौक द्वारा संदाय की दावा में टैक जारी करने की तारीख, या

(ख) सीमाशुल्क मदन द्वारा रखे गए निर्यातकर्ता के खाते में जमा करके संदाय की दगा में ऐसे जमा की तारीख समझी जाएगी।

7. वापसी और व्याज का गलत या अधिक संदाय का पुनःसंदाय :—

जहां वापसी और व्याज यदि कोई हो, की रकम का गलत रूप से संदाय कर दिया गया है या इस प्रकार संदत्त रकम उसमें अधिक है, जिसका दावेदार हकदार है वहां दावेदार सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा मांग किए जाने पर यथास्थिति गलत रूप से या अधिक इस प्रकार संदत्त रकम का पुनःसंदाय करेगा और जहां दावेदार ऐसी रकम का पुनःसंदाय करने में असफल रहता है, वहां उसे सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 142 की उपधारा (i) में अधिकृत रीति से वसूल किया जाएगा।

8. व्यावृत्ति (1) किसी निर्यातकर्ता या उसके प्राधिकृत अधिकारी द्वारा इन नियमों के प्रारंभ से पूर्व निर्यातित माल की वापसी के संदाय के लिए किया गया कोई ऐसा दावा जिसे ऐसे प्रारंभ से पूर्व नहीं निपटाया गया है, इन नियमों के उपबंधों के अनुसार निपटाया जाएगा।

(2) जहां किसी माल का धारा 74 के अधीन वापसी के लिए दावे के अधीन इन नियमों के प्रारंभ की तारीख से पूर्व निर्यात किया गया है किन्तु वापसी के संदाय के लिए कोई दावा नहीं किया गया है, वहां निर्यातकर्ता अपना दावा इन नियमों के प्रारंभ की तारीख से तीन मास की अवधि के भीतर नियम 5 में विहित रीति से कर सकेगा।

#### उपबन्ध -1

सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 74 के अधीन डाक द्वारा निर्यातित माल के संबंध में वापसी के दावे के लिए प्ररूप

(आयातित माल का पुनः निर्यात सीमाशुल्क की वापसी नियम 1995 का नियम 3 देखिए)

मूल प्रति, दूसरी प्रति,

तीसरी प्रति, चौथी प्रति

#### भाग -1

धारा 74 के अधीन वापसी के लिए दावे के अधीन पार्सल डाक द्वारा निर्यात किए जाने वाले माल की विशेषितियों सेवा में,

हम मैसर्स ..... नीचे उल्लिखित परेषण का निर्यात करने और सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 74 के अधीन इस माल के आधार के समय संदत्त शुल्क का वापसी का दावा करने की प्रत्याजना करते हैं।

1. परेषित की नाम और पता :

2. माल का वर्णन :

3. परिमाण

4(क) माल का पोट पर्यन्त निःशुल्क मूल्य:

(ख) माल का बाजार मूल्य

5. आयात की तारीख

6. प्रवेश पत्र की विशेषितियां (प्रति संलग्न करें)

7. आयात के संबंध में संदाय शुल्क की रकम :  
(सबूत संलग्न करें)

8. वापसी की दावा की गई रकम  
(संगणना पत्र संलग्न करें)

यह प्रमाणित किया जाता है कि माल को, उसका आयात करने के पश्चात् उपयोग में नहीं लाया गया है माल को ..... से अवधि के लिए उपयोग में लाया गया ।  
तारीख :

स्थान :

निर्यातकर्ता के हस्ताक्षर और मुद्रा  
समुचित सीमाशुल्क अधिकारी की स्पर्श

#### भाग - 2

मैंने/हमने उपरोक्त पार्सल जिसमें ..... अंतर्गत का उपरोक्त व्याज दिया है जांच कर ली है। पार्सल मेरी/हमारी उपस्थिति में पैक किया गया है और इस पर सीमा मोप की मुद्रा सं ..... जिसमें निम्नलिखित विशेषितियां हैं, मेरे/हमारे द्वारा लाई गई है तारीख : ..... उस अधिकारी के हस्ताक्षर जिसने स्थान : ..... परेषण की जांच की और मुद्रा लगाई

प्रमाणित किया जाता है कि मेरे पर्यवेक्षण में उपरोक्त नोट किए गए पार्सल की जांच/पैक की गई और उस पर मुद्रा लगाई गई है।

तारीख :

स्थान :

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक/

कार्यालय की मुद्रा : उप अधीक्षक के हस्ताक्षर)

#### भाग-3

.....के पार्सल के साथ अधीक्षक, विदेशी डाक पर नई दिल्ली को अग्रेषित डाक रसीद सं. ....

डाकगान

डाकधर की तारीख और मुद्रा डाकधर

#### भाग-4

.....पार्सल का निरीक्षण किया गया और मुद्रा सही पाई गई।

.....पार्सल की जांच की और मुद्रा सही नहीं पाई गई।

निर्यात के लिए पास

कृपया आगे की कार्रवाई के लिए रोक लें।

तारीख :

स्थान:

जाचकर्ता के हस्ताक्षर

डाक संबंधी जानकारी देने वाला विभाग

कार्यालय की मुद्रा : (स्थान)

#### भाग-5

प्रमाणित किया जाता है कि इसमें दिए गए व्यंजनों के पार्सल का भारत से बाहर तारीख ..... वायु मार्ग/समुद्री मार्ग ई एक्स एस. एस. द्वारा निर्यात कर दिया गया है।

सीमाशुल्क कन्वक्टर को अग्रेषित स्थान

अधीक्षक के हस्ताक्षर

स्थान : विदेशी डाक घर

तारीख :

#### उपाबंध 2

सीमाशुल्क अधिनियम 1962 की धारा 74 के अधीन शुल्क संदत्त माल के पुनः निर्यात के संबंध में वापसी की दावा के करने के लिए प्रोफार्मा आयातित माल का पुनः निर्यात (सीमाशुल्क की वापसी) नियम 1995 का नियम 5 देखिए।

1. पोत परिवहन पत्र सं. और तारीख
2. निर्यातित परिमाण :

3. पुनः निर्यातित माल का वर्णन

4. वह तारीख जिसको माल निर्यात के लिए प्रविष्ट किया जाता है  
[सीमाशुल्क अधिनियम 1962 की धारा 74 (4) देखिए]

5. निर्यात स्थान की जांच की तारीख

- (i) माल का पोतपर्यंत निःशुल्क मूल्य
- (ii) माल का बाजार मूल्य

7. क्या उपयोग किया गया है, और यदि हां तो, कितनी अवधि के लिए

8. प्रवेश पत्र सं. और तारीख या अन्य विहित दस्तावेज की विनिर्दिष्टता जिसके अधीन माल की आयात के संबंध में निकासी की गई थी।

9. आयात का पत्तन :

10. आयातित मद्र :

11. आयातित माल का कुल निर्धारणीय मूल्य

12. आयातित परिमाण

13. नकदी सं. और तारीख द्वारा आयातित माल पर संदत्त शुल्क

14. संलग्न दस्तावेजों की संख्या

15. वापसी की दावा की गई रकम (संगणना पत्र संलग्न करें)

16. पुनः निर्यात के लिए कारण

17. सीमाशुल्क रद्द करने अधिकर्ता का नाम और पता आयातित माल का पुनः निर्यात सीमाशुल्क की वापसी नियम 1995 का नियम 5 देखिए।

नाम :

पता :

हस्ताक्षर :

निर्यातकर्ता दावेदार की मुद्रा

[फा. सं. 602/4/95 डी बी के]

ए. के. मदान, अव्वर सचिव

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 26th May, 1995

NO. 36/95-CUSTOMS (NT)

G.S.R. 440(E).—In exercise of the powers conferred by section 74 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title, extent and commencement.—(1) These rules may be called Re-export of Imported Goods (Drawback of Customs Duties) Rules, 1995.

(2) They extend to the whole of India.

(3) They shall come into force on the 26th day of May, 1995.

2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) “drawback”, in relation to any goods exported out of India, means the refund of duty paid on importation of such goods in terms of section 74 of the Customs Act;
- (b) “export”, with its grammatical variations and cognate expressions means taking out of India to a place outside India and includes loading of provisions or store or equipment for use on board a vessel or aircraft proceeding to a foreign port or airport;

3. Procedure for claiming drawback on goods exported by post.—(1) Where goods are to be exported by post under a claim for drawback under these rules,—

- (a) the outer packing carrying the address of the consignee shall also carry in bold letters the words “DRAWBACK EXPORT”;
- (b) the exporter shall deliver to the competent Postal Authority, alongwith the parcel or package, a claim in the form at Annexure I, in quadruplicate, duly filled in ;

(2) The date of receipt of the aforesaid claim form by the proper officer of customs from the postal authorities shall be deemed to be date of filing of drawback claim by the exporter for the purpose of section 75A and an intimation of the same shall be given by the proper officer of customs to the exporter in such form as the Collector of Customs may prescribe.

(3) In case the aforesaid claim form is not complete in all respects, the exporter shall be informed of the deficiencies therein within fifteen days of its receipt from postal authorities by a deficiency memo in the form prescribed by the Collector of Customs, and such claim shall be deemed not to have been received for the purpose of sub-rule (2).

(4) When the exporter complies with the requirements specified in the deficiency memo, within thirty days of receipt of the deficiency memo, he shall be issued an acknowledgement by the proper officer in the form prescribed by the Collector of Customs and the date of such acknowledgement shall be deemed to be date of filing the claim for the purpose of section 75-A.

4. Statements|Declarations to be made on exports other than by post.—In the case of exports other than by post, the exporter shall at the time of export of the goods—

- (a) state on the shipping bill or bill of export, the description, quantity and such other particulars as are necessary for deciding whether the goods are entitled to drawback under section 74 and make a declaration on the relevant shipping bill or bill of export that—
  - (i) the export is being made under a claim for drawback under section 74 of the Customs Act;
  - (ii) that the duties of customs were paid on the goods imported;
  - (iii) that the goods imported were not taken into use after importation;

OR

- (iii) that the goods were taken in use;

- (b) furnish to the proper officer of customs, copy of the Bill of Entry or any other prescribed document against which goods were declared on importation, import invoice, documentary evidence of payment of duty, export invoice and packing list and permission from Reserve Bank of India to re-export the goods, wherever necessary.

5. Manner and time of claiming drawback on goods exported other than by post.—(1) A claim for drawback under these rules shall be filed in the form at Annexure II within three months from the date on which an order permitting clearance and loading of goods for exportation under section 51 is made by proper officer of customs :

Provided that the Assistant Collector of Customs may, if he is satisfied that the exporter was prevented by sufficient cause to file his claim within the aforesaid period of three months, allow the exporter to file his claim within a further period of three months.

(2) The claim shall be filed in duplicate alongwith the following documents, namely:—

- (a) Triplicate copy of the shipping Bill bearing examination report recorded by the proper officer of the customs at the time of export;
- (b) Copy of Bill of Entry or any other prescribed document against which goods were cleared on importation.

- (c) Import invoice.
- (d) Evidence of payment of duty paid at the time of importation of the goods.
- (e) Permission from Reserve Bank of India for re-export of goods, wherever necessary.
- (f) Export invoice and packing list.
- (g) Copy of Bill of lading or Airway bill.
- (h) Any other documents as may be specified in the deficiency memo.

(3) The date of filing of the claim for the purpose of section 75A shall be the date of affixing the Dated Receipt Stamp on the claims which are complete in all respects, and for which an acknowledgement shall be issued in such form as may be prescribed by the Collector of Customs.

(4) (a) Any claim which is incomplete in any material particulars or is without the documents specified in sub-rule (2) shall not be accepted for the purpose of section 75A and such claim shall be returned to the claimant with the deficiency memo in the form prescribed by the Collector of Customs within fifteen days of submission and shall be deemed not to have been filed;

(b) Where exporter complies with requirements specified in deficiency memo within thirty days from the date of receipt of deficiency memo, the same will be treated as a claim filed under sub-rule (1).

(5) Where any order for payment of drawback is made by the Collector (Appeals), Central Government or any Court against an order of the proper officer of customs, the exporter may file a claim in the manner prescribed in this rule within three months from the date of receipt of the order so passed by the Collector (Appeals), Central Government or the Court, as the case may be.

6. Payment of drawback and interest.—(1) The drawback under these rules and interest, if any, shall be paid by the officer of Customs to the exporter or to the agent specially authorised by the exporter to receive the said amount of drawback and interest.

(2) The date of payment of drawback and interest shall be deemed to be, in case of payment—

- (a) by cheque, the date of issue of cheque; or
- (b) by credit in the exporter's account maintained with the Custom House, the date of such credit.

7. Repayment of erroneous or excess payment of drawback and interest.—Where an amount of drawback and interest, if any, has been paid erroneously or the amount so paid is in excess of what the claimant is entitled to, the claimant shall, on demand by an officer of customs repay the amount so paid

erroneously or in excess, as the case may be, and where the claimant fails to repay the amount it shall be recovered in the manner laid down in sub-section (1) of section 142 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

8. Saving.—(1) Any claim made by an exporter or his authorised agent, for payment of drawback in respect of goods exported before the commencement of these rules but not disposed of before such commencement, shall be disposed of in accordance with the provisions of these rules;

(2) Where any goods have been exported under claim for drawback under section 74, before the date of commencement of these rules but no claim for payment of drawback has been filed, the exporter may file his claim within a period of three months from the date of commencement of these rules in the manner prescribed in rule 5.

#### ANNEXURE—I

#### FORM FOR CLAIM OF DRAWBACK UNDER SECTION 74 OF CUSTOMS ACT, 1962 ON GOODS EXPORTED BY POST

[REFER RULE 3 OF RE-EXPORT OF IMPORTED GOODS (DRAWBACK OF CUSTOMS DUTIES) RULES, 1995]

Original, Duplicate,  
Triplicate, Quadruplicate

#### PART-I

#### PARTICULARS OF GOODS TO BE EXPORTED BY PARCEL POST UNDER CLAIM FOR DRAWBACK UNDER SECTION 74

To

We M/s ..... propose to export the undermentioned consignment and claim drawback of duties paid at the time of import of these goods under section 74 of Customs Act, 1962.

1. Name and Address of the Consignee
2. Description of goods
3. Quantity
4. (a) FOB Value of goods  
(b) Market Value of goods
5. Date of import
6. Particulars of Bill of Entry (Enclose copy)
7. Amount of duty paid on import (enclose copy)
8. Amount of Drawback claimed (enclose calculation sheet)

Certified that the goods were not taken into use after their importation. The goods were used for the period ..... to .....

Date :

Place :

Signature and Seal of  
the Exporter

Report of the proper officer of Customs.

## PART II

I have examined the above parcels which contain.....detailed above. The parcels have been packed in my presence and sealed by me with lead/wax seal No.....bearing the following particulars.....

Date :

Place :

Signature of officer who examined  
and sealed the consignment

Certified that the above noted parcels were examined, packed and sealed under my supervision

Date :

Place :

Seal of Office :

(Signature of Supdt./Dy. Supdt.  
Central Excise)

## PART-III

Forwarded alongwith.....parcels to the Superintendent, Foreign Post Office, New Delhi, postal receipt No. ....

Date and Seal of

Post Office.

Post Master  
Post Office

## PART IV

Inspected.....Parcels and found the seals intact. Examined..... Parcels where the seals were not found intact.....

Pass for export

Please detain for further action

Date :

Place :

Seal of Office

Signature of Examiner  
Postal Appraising Department  
.....  
(Place)

## PART V

Certified that the parcels detailed herein have been exported out of India on..... by..... Air/Sea Ex. S.S. ....Forwarded to the Collector of Customs.....

Place:

Date :

Signature of Superintendent.  
Foreign Post Office.

## ANNEXURE—II

### PROFORMA FOR CLAIMING DRAWBACK ON RE-EXPORT OF DUTY PAID GOODS UNDER SECTION 74 OF CUSTOMS ACT, 1962

#### [RULE 5 OF RE-EXPORT OF IMPORTED GOODS (DRAWBACK OF CUSTOMS DUTIES) RULES, 1995]

1. Shipping Bill No. & Date :
2. Quantity exported :
3. Description of Goods re-exported :
4. Date on which goods are entered for export [Refer section 74(4) of the Customs Act, 1962] :
5. Date of examination of export cargo :
6. (i) FOB value of goods :  
(ii) Market value of goods :
7. Whether used, and if so, for what period :
8. Bill of Entry No. & Date or particulars of other prescribed documents against which goods were cleared on importation :
9. Port of Import :
10. Item Imported :
11. Total Assessable value of the imported goods :
12. Quantity imported :
13. Duty paid on imported goods vide Cash No. & Date :
14. No. of documents enclosed.
15. Amount of Drawback claimed (enclose calculation sheet) :
16. Reasons for re-export :

17. Name and address of Custom  
House Agent :

\*Refer rule 5 of Re-export of Imported Goods  
(Drawback of Customs Duties) Rules, 1995.

Name \_\_\_\_\_

Address \_\_\_\_\_

Signature \_\_\_\_\_

Seal of the Exporter claimant.

[F. No. 602/4/95-DBK]

A. K. MADAN, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 मई, 1995

37/95-सीमाशुल्क एवं उत्पाद शुल्क (एन टी)

मा.का.नि. 441(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 75 और केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पादशुल्क वापसी नियम, 1995 है।

(2) इनका विस्तार संपूर्ण भारत पर है।

(3) ये 26 मई 1995 को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं—इन नियमों में, जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) भारत में विनिर्मित और निर्यात किए गए किसी माल के संबंध में “वापसी” से ऐसे माल के विनिर्माण में उपयोग में लाई गई किसी आयातित सामग्री या उत्पादशुल्क्य सामग्री पर प्रभार्य शुल्क अभिप्रेत है,

(ख) “उत्पादशुल्क्य सामग्री” से अभिप्रेत है ऐसी कोई सामग्री जिसका उत्पादन या विनिर्माण भारत में केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उत्पादशुल्क के अधीन रहते हुए, हुआ है,

(ग) “निर्यात” से उसके व्याकरणिक रूप शेषों और सजातीय पदों सहित, भारत से बाहर किसी स्थान के लिए भारत से बाहर ले जाना अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत किसी विदेशी पत्तन को जाने वाले किसी जलयान या वायुयान पर उपयोग के लिए रसद या सामान या उपस्कर की लदाई भी है,

(घ) “आयातित सामग्री” से भारत में आयातित कोई ऐसी सामग्री अभिप्रेत है जिस पर सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अधीन शुल्क प्रभार्य है,

(ङ) “विनिर्माण” के अन्तर्गत माल का प्रसंस्करण या माल पर की गई कोई अन्य गतिविधि है, और “विनिर्माण” पद का तदनुसार अर्थ लगाया जाएगा।

3. वापसी :—(1) (क) सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) और उसके अधीन बनाए गए नियमों,

(ख) केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और उसके अधीन बनाए गए नियमों, और

(ग) इन नियमों,

के उपबंधों के अधीन रहते हुए, माल के निर्यात पर ऐसी रकम को, या ऐसी दरों से, जो केन्द्रीय सरकार अवधारित करे, वापसी अनुज्ञात की जा सकेगी :

परंतु जहां किसी माल का उत्पाद या विनिर्माण ऐसी आयातित सामग्री या उत्पादशुल्क्य सामग्री से किया जाता है जिसमें से कुछ पर सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) और उसके अधीन बनाए गए नियमों या केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के किसी उपबंध के अधीन केवल प्रभार्य शुल्क संदत्त किया गया है, किंतु शेष पर नहीं, या प्रभार्य शुल्क का केवल कुछ भाग संदत्त किया गया है, अथवा संदत्त शुल्क को पूर्णतः या भागतः रिबेट दी गई है या उसका प्रतिदाय कर दिया है या उसे जमाखाने के रूप में दिया गया है, वहां उक्त माल पर अनुज्ञेय वापसी ऐसे कम संदत्त शुल्क या अभिप्राप्त रिबेट, प्रतिदाय या जमाखाने को ध्यान में रखते हुए कम कर दी जाएगी :

परंतु यह और कि निम्नलिखित दशाओं में कोई वापसी अनुज्ञात नहीं की जाएगी, अर्थात् :—

(i) यदि उक्त माल को, सिवाय उन चाय बक्सों के, जिनका उपयोग ब्लेंड की गई चाय के निर्यात के लिए पैकिंग सामग्री के रूप में किया गया है, विनिर्माण के पश्चात् प्रयोग में लाया गया है,

(ii) यदि उक्त माल का उत्पादन या विनिर्माण ऐसी आयातित सामग्री या उत्पादशुल्क्य सामग्री का प्रयोग करके किया गया है जिसके संबंध में शुल्क का संदाय नहीं किया गया है, या

(iii) निर्यात माल के विनिर्माण में प्रयुक्त जूट वैचिंग तेल, अर्थात्, जूट (जिसके अन्तर्गत त्रिमलीपट जूट या मेयता फाइबर है), सूत, लच्छा, डोरी, धागा, रज्जू और रस्सा,



(iv) यदि उक्त माल का, जो पैकिंग सामग्री है, निम्नलिखित के नियति में या उसके संबंध में निर्धारण किया गया है,—

- (1) जूट सूत (जिसके अन्तर्गत बिमलीपटम जूट या मेस्ता फाइबर है), लच्छा, डोरी, धागा और रस्सा जिसके भार में जूट सूत सर्वाधिक है,
- (2) जूट फैब्रिक (जिसके अन्तर्गत बिमलीपटम जूट या मेस्ता फाइबर है), जिसके भार में जूट सर्वाधिक है,
- (3) जूट की ऐसी विनिर्मितियाँ, जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट नहीं हैं (जिसके अन्तर्गत बिमलीपटम जूट या मेस्ता फाइबर है), जिसके भार में जूट सर्वाधिक है।

(2) इस नियम के अधीन वापसी की रकम या दर अवधारित करने में केन्द्रीय सरकार, निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखेगी :—

- (क) उस सामग्री के प्रत्येक वर्ग या वर्णन का औसत परिमाण या मूल्य जिससे किसी विशिष्ट वर्ग का माल भारत में साधारणतया उत्पादित या विनिर्मित किया जाता है,
- (ख) उस आयातित सामग्री या उत्पादशुल्क सामग्री का औसत परिमाण या मूल्य, जिसका उपयोग भारत में किसी विशिष्ट वर्ग के माल के उत्पादन या विनिर्माण के लिए किया जाता है।
- (ग) उस आयातित सामग्री या उत्पादशुल्क सामग्री पर संदत्त शुल्कों की औसत रकम जिसका उपयोग माल के विनिर्माण में प्रयुक्त अर्ध-उत्पादों, संघटकों और मध्यवर्ती उत्पादों के लिए किया जाता है,
- (घ) उस सामग्री पर जो विनिर्माण प्रक्रिया में अपशिष्ट है और उत्प्रेरक (कर्मक) पर संदत्त शुल्कों की औसत रकम;

परंतु यदि ऐसे अपशिष्ट या उत्प्रेरक (कर्मक) का उपयोग विनिर्माण की प्रक्रिया में पुनः किया जाता है या उसका विक्रय किया जाता है तो पुनः प्रयुक्त या विक्रीत अपशिष्ट या उत्प्रेरक (कर्मक) पर शुल्क की औसत रकम की भी कटौती की जाएगी,

- (ङ) उस आयातित सामग्री या उत्पादशुल्क माल पर, जिसका उपयोग निर्यात माल को रखने या पैक करने के लिए किया गया है, संदत्त शुल्क की औसत रकम,
- (च) कोई अन्य जानकारी, जो केन्द्रीय सरकार इस प्रयोजन के लिए सुसंगत या उपयोग समझती है।

4. दरों का पुनरीक्षण:—केन्द्रीय सरकार नियम 3 के अधीन अवधारित रकम या दरों का पुनरीक्षण कर सकेगी।  
1242 GI/95—2.

5 वापसी की रकम या दर के प्रवृत्त होने की तारीख का और वापसी की रकम या दर के लागू होने के लिए प्रभावी तारीख का अवधारण—(1) केन्द्रीय सरकार, वह अवधि विनिर्दिष्ट कर सकेगी जिस तक, यथास्थिति, नियम 3 के अधीन अवधारित या नियम 4 के अधीन पुनरीक्षित वापसी की रकम या दर प्रवृत्त रहेगी।

(2) वह वापसी की ऐसी रकम या दर भूगर्भीय प्रभाव से अनुज्ञात की जाती है, वहाँ ऐसी रकम या दर उस तारीख से अनुज्ञात की जाएगी जो केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट करे और वह निर्यात माल में प्रयुक्त निवेशों पर शुल्क की दरों में परिवर्तन की तारीख से पहले होगी।

(3) इन नियमों के अधीन निर्यात किए गए किसी माल को लागू होने वाली वापसी की रकम या दर का अवधारण, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 16 या धारा 83 की उपधारा (2) के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

6. वे मामले जिनमें वापसी की रकम या दर अवधारित न की गई हो—

- (1)(क) जहाँ किसी माल के संबंध में वापसी की रकम या दर अवधारित न की गई हो वहाँ ऐसे माल का विनिर्माता या निर्यातकर्ता, नियम 5 के उपनियम (3) के निबंधनों के अनुसार वापसी की रकम या दर को लागू होने के लिए सुसंगत तारीख से 60 दिन के भीतर, उसके लिए वापसी की रकम या दर के अवधारण के लिए केन्द्रीय सरकार को लिखित रूप में आवेदन करेगा। ऐसे आवेदन में वह सभी सुसंगत तथ्यों का कथन करेगा। जिनके अन्तर्गत वह अनुपात, जिसमें माल के उत्पादन या विनिर्माण में सामग्रियों या संघटकों का प्रयोग हुआ है, और ऐसी सामग्रियों या संघटकों पर संदत्त शुल्क भी है, :

परंतु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि विनिर्माता या निर्यातकर्ता पूर्वोक्त समय के भीतर पर्याप्त कारण से आवेदन फाइल करने से निवारित हो गया था तो वह ऐसे विनिर्माता या निर्यातकर्ता को तीस दिन की और अवधि के भीतर ऐसा आवेदन फाइल करने के लिए अनुज्ञात कर सकेगा।

- (ख) केन्द्रीय सरकार खंड (क) के अधीन कोई आवेदन प्राप्त होने पर, ऐसी जांच करने या कराने के पश्चात् जो वह ठीक समझे, ऐसे माल के संबंध में वापसी की रकम या दर अवधारित करेगी।

(2)(क) यदि निर्यातकर्ता ऐसी वांछा करता है कि उसे अनन्तिम रूप में वापसी अनुज्ञात की जाए तो वह, उपनियम (1) के खंड (क) के अधीन आवेदन करने के

पश्चात्, केन्द्रीय सरकार को लिखित रूप में आवेदन कर सकेगा कि ऐसे माल के निर्यात पर वापसी की बाबत कोई अनन्तिम रकम उस उपनियम के खंड (ख) के अधीन उस पर वापसी की रकम या दर का अवधारण लम्बित रहने तक उसे अनुज्ञात की जाए।

(ख) केन्द्रीय सरकार आवेदन पर विचार करने के पश्चात् उस पत्तन के, जहां माल निर्यात किया गया है, सीमाशुल्क कलक्टर को इस बाबत प्राधिकृत कर सकेगा कि वह ऐसे निर्यात के संबंध में निर्यातकर्ता द्वारा दावाकृत रकम से अनधिक कोई रकम अनन्तिम रूप से संदत्त करे :

परंतु सीमाशुल्क कलक्टर ऐसे निर्यात के संबंध में, वापसी का अनन्तिम संदाय अनुज्ञात करने के प्रयोजन के लिए, निर्यातकर्ता से अपेक्षा रख सकेगा कि वह ऐसी रकम के लिए, और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो सीमाशुल्क कलक्टर निर्दिष्ट करे, एक साधारण बंधपत्र निष्पादित करे, या ऐसी किसी रकम से अनधिक रकम के लिए बंधपत्र निष्पादित करे जिसके लिए किसी विशिष्ट पारेषण के संबंध में वापसी के रूप में निर्यातकर्ता ने दावा किया है और निम्नलिखित की बाबत स्वयं को आबद्ध करे, अर्थात् :—

- (i) इस प्रकार अनन्तिम रूप में अनुज्ञात रकम का प्रतिदाय करने के लिए, यदि केन्द्रीय सरकार ने वापसी अनुज्ञात न करने का विनिश्चय किया है, या
- (ii) उसे अनन्तिम रूप में संदत्त अधिक रकम का, यदि कोई है, प्रतिदाय करने के लिए, यदि केन्द्रीय सरकार वापसी अनुज्ञात करने का विनिश्चय करती है :

परंतु यह और कि जब ऐसे माल पर संदेय वापसी की रकम या दर अनन्तिम रूप से अवधारित कर दी जाती है तब ऐसे निर्यातकर्ता को अनन्तिम रूप में संदत्त रकम, अंतिम रूप से संदेय वापसी की रकम के प्रति समायोजित की जाएगी और यदि ऐसे समायोजित रकम अंतिम रूप से संदेय वापसी की रकम से अधिक या कम है तो निर्यातकर्ता सीमाशुल्क कलक्टर को ऐसी अधिक रकम लौटा देगा या ऐसी कमी की रकम का हकदार होगा।

(ग) खंड (ख) में निर्दिष्ट बंधपत्र ऐसे प्रतिभू या प्रतिभूति सहित होगा जो सीमाशुल्क कलक्टर निर्दिष्ट करे।

(3) जहां केन्द्रीय सरकार ऐसा करना आवश्यक समझती है वहां वह उस तारीख से, जो वह विनिर्दिष्ट करे, उपनियम (2) में निर्दिष्ट प्राधिकार रद्द कर सकेगी।

7. वे मामले जिनमें वापसी की अवधारित रकम या दर कम है—(1) जहां, किसी माल के संबंध में, विनिर्माता या निर्यातकर्ता यह पाता है कि उस वर्ग के माल, पर यथास्थिति, नियम 3 के अधीन अवधारित या नियम 4 के अधीन पुनरीक्षित वापसी की रकम या दर उक्त माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों या संघटकों पर संदत्त शुल्क के चार-पंचमांश से कम है वहां वह वापसी की समुचित

रकम या दर के नियत किए जाने के लिए केन्द्रीय सरकार को नियम 5 के उपनियम (3) के निबंधनों के अनुसार वापसी की रकम या दर के लागू करने संबंधी सुसंगत तारीख से 60 दिन के भीतर आवेदन कर सकेगा। ऐसे आवेदन में वह उन सभी सुसंगत तथ्यों का कथन करेगा जिनके अन्तर्गत वह अनुपात जिसमें माल के उत्पादन या विनिर्माण में सामग्रियों या संघटकों का प्रयोग हुआ है, और ऐसी सामग्रियों या संघटकों पर संदत्त शुल्क भी है :

परंतु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि विनिर्माता या निर्यातकर्ता पर्याप्त कारण से पूर्वोक्त समय के भीतर आवेदन करने से निवारित हो गया था तो वह ऐसे विनिर्माता या निर्यातकर्ता को तीस दिन की और अवधि के भीतर ऐसा आवेदन करने के लिए अनुज्ञात कर सकेगा।

(2) केन्द्रीय सरकार, उपनियम (1) में निर्दिष्ट आवेदन के प्राप्त होने पर, ऐसी जांच करने या कराने के पश्चात् जो वह ठीक समझे, ऐसे निर्यातकर्ता को ऐसी रकम की या ऐसी दर से वापसी का, जो समुचित रूप से अवधारित की जाए, संदाय अनुज्ञात कर सकेगी, यदि, यथास्थिति, नियम 3 के अधीन अवधारित या नियम 4 के अधीन पुनरीक्षित वापसी की रकम या दर इस उपनियम के अधीन अवधारित ऐसी रकम या दर के चार-पंचमांश से वस्तुतः कम है।

(3) जहां कोई निर्यातकर्ता यह वांछा करता है कि उसे अनन्तिम रूप में वापसी मंजूर की जाए, वहां वह, उपनियम (1) के अधीन आवेदन करते समय इस नियमित केन्द्रीय सरकार को लिखित रूप में उस रीति से आवेदन कर सकेगा जो उस नियम के अधीन किए गए आवेदनों के लिए नियम 6 के उपनियम (1) के खंड (क) में उपबंधित है और अनन्तिम वापसी की मंजूरी पर उस रीति से और नियम 6 के उपनियम (2) के खंड (ख) और उपनियम (3) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, इस शर्त के अधीन रहते हुए विचार किया जाएगा कि दावेदार द्वारा निष्पादित किया जाने वाला अपेक्षित बंधपत्र केवल, यथास्थिति, नियम 3 के अधीन अवधारित या नियम 4 के अधीन पुनरीक्षित वापसी की रकम या दर और इस नियम के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत अनन्तिम वापसी के बीच अंतर के लिए होगा।

8. वे मामले जिनमें वापसी की रकम या दर अवधारित की गई हो :—(1) यथास्थिति, नियम 3, नियम 6 या नियम 7 के अधीन किसी ऐसे माल की बाबत वापसी की रकम या दर अवधारित नहीं की जाएगी, जिसकी वापसी की रकम या दर उसके पोतपर्यन्त निःशुल्क मूल्य के दो प्रतिशत से कम होगी, मिवाय वहां के जहां प्रति लदाई वापसी की रकम पांच हजार रुपए से अधिक है।

(2) यथास्थिति, नियम 6 या नियम 7 के अधीन किसी माल या माल के वर्ग की बाबत वापसी की रकम या दर अवधारित नहीं की जाएगी यदि निर्यातपत्र या सादन पत्र में ऐसे प्रत्येक माल या माल के वर्ग का निर्यात मूल्य,

ऐसे माल या माल के वर्ग के विनिर्माण में उपयोग की गई आयातित सामग्री के मूल्य से कम है या ऐसे माल या माल के वर्ग के विनिर्माण में उपयोग की गई आयातित सामग्री के मूल्य की ऐसी प्रतिशतता से अधिक नहीं है, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त राजपत्र में अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट करे।

9. जानकारी और दस्तावेजों के प्रस्तुत करने की अपेक्षा करने की शक्ति इसके प्रयोजन के लिए,—

- (क) माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्री या संघटकों के वर्ग या वर्णन के अवधारण के प्रयोजन के लिए या ऐसी सामग्री या संघटकों पर संदत्त शुल्क की रकम के अवधारण के लिए, या
- (ख) विनिर्माता या निर्यातकर्ता या अन्य व्यक्तियों द्वारा वापसी की रकम या दर के अवधारण के संबंध में दो गई किसी जानकारी की शुद्धता के या अन्यथा सत्यापन के प्रयोजन के लिए, या
- (ग) वापसी के लिए किसी दावे की शुद्धता के या अन्यथा सत्यापन के प्रयोजनों के लिए, या
- (घ) ऐसी कोई अन्य जानकारी, जिसे केन्द्रीय सरकार सुसंगत या उपयोगी समझे अभिप्राप्त करने के प्रयोजन के लिए (केन्द्रीय सरकार का कोई ऐसा अधिकारी, जो सीमाशुल्क या केन्द्रीय उत्पादशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा इस निमित्त विशेष रूप से प्राधिकृत हो, माल के किसी विनिर्माता या निर्यातकर्ता या किसी ऐसी अन्य व्यक्ति से, जिसके कब्जे में ऐसे माल के होने की संभावना है, ऐसी जानकारी देने की तथा ऐसी लेखा बहियां और अन्य दस्तावेजों पेश करने की अपेक्षा कर सकेगा जो ऐसा अधिकारी आवश्यक समझे।

10. विनिर्माणशाला में पहुंच—जब कभी केन्द्रीय सरकार का ऐसा अधिकारी, जो सीमा-शुल्क या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा इस निमित्त विशेष रूप से प्राधिकृत हो, आवश्यक समझे, विनिर्माता, उस परिसर के, जिसने माल का विनिर्माण किया जाता है, प्रत्येक भाग में इस प्रकार प्राधिकृत अधिकारी को सभी उचित समयों पर पहुंचने का अवसर देगा जिससे कि उक्त अधिकारी ऐसे माल के विनिर्माण की प्रक्रिया और उसमें प्रयुक्त सामग्री या संघटकों का निरीक्षण करके या अन्यथा इन नियमों के अधीन वापसी के वापसी लिए या वापसी की किसी विशिष्ट रकम या दर के लिए माल की हकदारी के संबंध में सत्यापित कर सके।

11. डाक द्वारा निर्यातित माल पर वापसी का दावे करने की प्रक्रिया :—

(1) इन नियमों के अधीन जहां माल का वापसी के लिए किसी दावे के अधीन डाक द्वारा निर्यात किया जाना है; वहां—

- (क) बाहरी पैकिंग पर परेपिती के पते के साथ स्पष्ट, अक्षरों में “वापसी निर्यात” शब्द भी होंगे,
- (ख) निर्यातकर्ता, सक्षम डाक प्राधिकारी को, पार्सल या पैकेज के साथ उपाबंध 7 में चार प्रतियों में सम्यक रूप से भरे गए प्ररूप में दावा परिदत्त करेगा।

(2) समुचित सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा डाक प्राधिकारियों से पूर्वोक्त दावा प्ररूप के प्राप्त होने की तारीख को धारा 75क के प्रयोजन के लिए निर्यातकर्ता द्वारा वापसी दावा फाइल करने की तारीख समझा जाएगा और उसकी सूचना निर्यातकर्ता को समुचित सीमा-शुल्क अधिकारी द्वारा ऐसे प्ररूप में दी जाएगी जो सीमा-शुल्क कलक्टर विहित करें।

(3) यदि पूर्वोक्त दावा प्ररूप भली प्रकार से पूर्ण नहीं है, तो निर्यातकर्ता को उसमें की कमियों के बारे में डाक प्राधिकारियों से उसके प्राप्त होने के पंद्रह दिन के भीतर, सीमा-शुल्क कलक्टर द्वारा विहित प्ररूप में कमी ज्ञापन द्वारा सूचित किया जाएगा, और ऐसे दावे के बारे में यह समझा जाएगा कि वह उपनियम (2) के प्रयोजन के लिए प्राप्त नहीं हुआ है।

(4) जब निर्यातकर्ता, कमी ज्ञापन में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का उसके लौटाए जाने के तीस दिन के भीतर पालन कर देता है, तब उसे सीमा-शुल्क कलक्टर द्वारा विहित प्ररूप में समुचित प्राधिकारी द्वारा एक अभिस्वीकृति जारी की जाएगी और ऐसी अभिस्वीकृति की तारीख को धारा 75-क के प्रयोजन के लिए दावा फाइल करने की तारीख समझा जाएगा।

12. डाक से भिन्न निर्यातों के संबंध में विवरण/घोषणा :

(1) डाक से भिन्न निर्यातों की दशा में, निर्यातकर्ता माल का निर्यात करने समय,—

(क) पोत परिवहन पत्र या निर्यात पत्र पर वर्णन, परिमाण और ऐसी अन्य विशिष्टियों के बारे में विवरण देगा जो यह विनिश्चय करने के लिए कि माल वापसी का हकदार है या नहीं, आवश्यक हों, और यदि है तो किसी दर या दरों से और सुसंगत पोत परिवहन पत्र या निर्यात पत्र पर यह घोषणा करेगा कि,—

- (i) इन नियमों के अधीन वापसी के लिए दावा किया जा रहा है,
- (ii) ऐसे निर्यातित माल के, जिस पर वापसी के लिए दावा किया जा रहा है, आधारों, पैकिंग सामग्री और उसके विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों के

संबंध में सीमा-शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क संदत्त कर दिया गया है और ऐसे आधानों या, सामग्रियों के संबंध में केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अधीन शुल्क के रिबेट के लिए कोई पृथक दावा केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क प्राधिकारियों से न तो किया गया है न ही किया जाएगा,

(ख) समुचित सीमा-शुल्क अधिकारी को लदाई बीजक या किसी अन्य दस्तावेज की प्रति निर्यात किए जाने वाले माल के वर्णन, परिमाण और मूल्य की विशिष्टियां देते हुए देगा।

(2) जहां वापसी की रकम या दर नियम 6 या नियम 7 के अधीन अवधारित कर दी गई है, वहां निर्यातकर्ता सुसंगत पोत परिवहन पत्र या निर्यात पत्र पर यह अतिरिक्त घोषणा करेगा कि,—

(क) निर्यात माल के विनिर्माण में विनिर्माण मूल में और उपयोजित आयातित सामग्री या संघटकों में, यदि कोई है प्रबि इकाई परिमाण में कोई परिवर्तन नहीं है, और

(ख) वे सामग्री या संघटक, जिनकी बाबत नियम 6 या नियम 7 के अधीन आवेदन में यह विवरण दिया गया है कि वे आयात किए गए हैं, इस प्रकार आयात किए जाते रहे हैं और वे देशी स्त्रोतों से प्राप्त नहीं किए जा रहे हैं।

13. डाक से भिन्न निर्यात किए गए माल पर वापसी का दावा करने के लिए रीति और समय—

(1) इन नियमों के अधीन वापसी के लिए कोई दावा, उपाबंध 2 में विहित प्ररूप में नियम 5 के उपनियम (3) के निर्बन्धनों के अनुसार वापसी की रकम या दर के लागू होने संबंधी, सुसंगत तारीख से तीन मास के भीतर फाइल किया जाएगा :

परन्तु यदि सहायक सीमाशुल्क आयुक्त का यह समाधान हो जाता है कि निर्यातकर्ता पर्याप्त कारण से पूर्वोक्त तीन मास की अवधि के भीतर अपना दावा फाइल करने से निवारित हो गया था, तो वह विनिर्माता या निर्यातकर्ता को तीन मास की और अवधि के भीतर अपना दावा फाइल करने की अनुज्ञा दे सकेगा।

(2) दावा, निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ, तीन प्रतियों में फाइल किया जाएगा, अर्थात् :—

- (i) सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विहित प्ररूप में वापसी दावा के लिए पूर्व रसीद।
- (ii) पोत परिवहन-पत्र की तीसरी प्रति।
- (iii) बैंक द्वारा प्रमाणित बीजक की प्रति।
- (iv) पैकिंग सूची की प्रति।
- (v) लदान/वायु-मार्ग-पत्र की प्राप्ति।

(vi) प्ररूप ए और-4 की प्रति, जहां-जहां लागू हो।

(vii) बीमा प्रमाणपत्र, जहां आवश्यक हो।

(viii) जांच रिपोर्ट की प्रति, जहां माल किसी जांच के अधीन है।

(ix) वापसी की दर के संबंध में संसूचना की प्रति, जहां वापसी दावा इन नियमों के नियम 6 या नियम 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा अवधारित दर के लिए है।

(x) निर्यातकर्ता द्वारा इन नियमों के अधीन फाइल की जाने वाली घोषणा।

(xi) ऐसा कोई अन्य दस्तावेज, जो कमी जापन में विनिर्दिष्ट किया जाए।

(3) धारा 75-क के प्रयोजन के लिए दावा फाइल करने की तारीख ऐसे दावों पर जो सभी प्रकार से पूर्ण है, तारीख डूले रशीद स्टॉप लगाने की तारीख होगी, जिसके लिए अभिस्वीकृति ऐसे प्ररूप में जारी की जाएगी, जो सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विहित किया जाए।

(4) (क) किसी ऐसे दावे का, जो किसी तात्त्विक विशिष्टियों में अपूर्ण है या उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट दस्तावेजों के बिना है धारा 75क के प्रयोजन के लिए प्रतिग्रहण नहीं किया जाएगा तथा ऐसा दावा प्रस्तुत किए जाने के पन्द्रह दिन के भीतर सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विहित प्ररूप में कमी जापन नहीं दावेदार को लौटा दिया जाएगा और समझा जाएगा कि वह फाइल नहीं किया गया है।

(ख) जहां, निर्यातकर्ता कमी जापन में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का कमी जापन के प्राप्त होने की तारीख से तीस दिन के भीतर पालन कर देता है, वहां उसे उपनियम (1) के अधीन फाइल किया गया दावा माना जाएगा।

(5) जहां समुचित सीमाशुल्क अधिकारी के किसी आदेश के विरुद्ध कलक्टर (अपील), केन्द्रीय सरकार या किसी न्यायालय द्वारा वापसी के सदाय के लिए कोई आदेश किया जाता है, वहां विनिर्माता, यथास्थिति, कलक्टर (अपील), केन्द्रीय सरकार या न्यायालय द्वारा इस प्रकार पारित आदेश के प्राप्त होने की तारीख से तीन मास के भीतर इस नियम में विहित रीति से, दावा फाइल कर सकेगा।

- (6) निर्यातकर्ता द्वारा कोई दावा फाइल करने के लिए उपनियम (4) के अधीन विहित तीन मास की अवधि की संगणना करने के लिए, ऐसे निर्यात माल की, जहां ऐसा माल जांच के अधीन है, जांच करने में एक मास से अधिक लगाया गया समय छोड़ दिया जाएगा।

#### 14. वापसी और ब्याज का संदाय :

- (1) इन नियमों के अधीन वापसी और ब्याज, यदि कोई हो, समुचित सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा निर्यातकर्ता को या निर्यातकर्ता द्वारा वापसी को रकम या ब्याज, यदि कोई हो, प्राप्त करने के लिए विशेष रूप से प्राधिकृत अधिकर्ता को संदत्त किया जाएगा।
- (2) सीमाशुल्क अधिकारी वापसी के संदाय और ब्याज, यदि कोई हो, तथा पहले ही संदत्त वापसी और ब्याज की किसी रकम के समायोजन के प्रयोजन के लिए एक या अधिक दावों को संयोजित कर सकेगा और संदाय के लिए कोई समेकित आदेश जारी कर सकेगा।
- (3) वापसी और ब्याज, यदि कोई हो, के संदाय की तारीख को—

- (क) चैक द्वारा संदाय की दशा में, ऐसा चैक जारी करने की तारीख;
- (ख) सीमाशुल्क सदन द्वारा रखे गए निर्यातकर्ता के खाते में जमा करके संदाय की दशा में, ऐसे जमा की तारीख, समझा जाएगा।

15. अनुपूरक दावा—(1) जहां कोई निर्यातकर्ता यह पाता है कि उसे संदत्त वापसी की रकम उस रकम से कम है जिसका वह केन्द्रीय सरकार द्वारा अवधारित वापसी की रकम या दर के आधार पर हकदार है, वहां वह अनुपूरक दावा उपाबंध 3 के प्ररूप में कर सकेगा :

परन्तु निर्यातकर्ता ऐसा अनुपूरक दावा—

- (i) जहां वापसी की दर नियम 3 या नियम 4 के अधीन अवधारित या पुनरीक्षित की जाती है वहां राजपत्र में ऐसी दर के प्रकाशन की तारीख से;
- (ii) जहां वापसी की दर नियम 6 या नियम 7 के अधीन अवधारित या उच्चतर पुनरीक्षित की जाती है, जहां संबंधित व्यक्ति को उक्त दर संसूचित करने की तारीख से;
- (iii) अन्य सभी मामलों में, समुचित अधिकारी द्वारा मूल वापसी दावे के संदाय या निपटारे की तारीख से;

तीन मास की अवधि के भीतर करेगा।

(2) इस नियम में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, वापसी के लिए कोई अनुपूरक दावा ग्रहण नहीं किया जाएगा।

(3) धारा 75क के प्रयोजन के लिए अनुपूरक दावा फाइल करने की तारीख, ऐसे दावों पर जो सभी प्रकार से पूर्ण है, तारीख छाने रसीद स्टांप लगाने की तारीख होगी और जिसके लिए सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विहित प्ररूप में एक अभिव्यक्ति जारी की जाएगी।

(4)(क) ऐसे दावे, जो सभी प्रकार से पूर्ण नहीं हैं या जिनके साथ अपेक्षित दस्तावेज नहीं हैं, सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विहित प्ररूप में कमी ज्ञापन सहित प्रस्तुत करने से 15 दिन के भीतर दावेदार को नौटा दिए जाएंगे और यह समझा जाएगा कि वे फाइल नहीं किए गए हैं।

(ख) जहां निर्यातकर्ता कमी ज्ञापन में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का पालन कमी ज्ञापन के प्राप्त होने की तारीख से तीस दिन के भीतर कर देता है, वहां उसे उपर्युक्त उप-नियम (1) के अधीन फाइल किया गया दावा माना जाएगा।

16. वापसी और ब्याज के गलत या अधिक संदाय का प्रतिसंदाय—

जहां वापसी और ब्याज, यदि कोई हो, की रकम गलती से संदत्त की गई है या इस प्रकार संदत्त रकम उससे अधिक है जिसका दावेदार हकदार है, वहां दावेदार समुचित सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा, मांग किए जाने पर, यथास्थिति, इस प्रकार गलती से या अधिक संदत्त रकम का प्रतिसंदाय करेगा और जहां दावेदार ऐसी रकम का प्रतिसंदाय करने में असफल रहता है, वहां उसकी यूसूली सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 142 की उपधारा (1) में अधिकथित रीति से की जाएगी।

#### 17. शिथिल करने की शक्ति—

यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि किसी माल के निर्यात के संबंध में, निर्यातकर्ता या उसका प्राधिकृत अधिकर्ता, ऐसे कारणों से जो उसके नियंत्रण से परे हों, इन नियमों के किसी उपबंध का अनुपालन करने में असफल हो गया है और इस प्रकार वापसी का हकदार हो गया है तो वह ऐसे निर्यातकर्ता या अधिकर्ता द्वारा किए गए अपेक्षावेदन पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् और उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएंगे, ऐसे निर्यातकर्ता या अधिकर्ता को ऐसे नियम के उपबंधों से छूट दे सकेगी और ऐसे माल की बाबत वापसी अनुज्ञात कर सकेगी।

#### 18. निरसन और व्यावृत्ति—

(1) इन नियमों के प्रारंभ से ही सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वापसी नियम, 1971 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 1971 के नियम कहा गया है) प्रवृत्त नहीं रहेंगे।

(2) प्रवर्तन के ऐसे समाप्त हो जाने पर भी,

(क) विनिर्माता या निर्यातकर्ता द्वारा इन नियमों के प्रारंभ से पूर्व निर्यात किए गए माल की बाबत वापसी की रकम या दर के अवधारण या पुनरी-

क्षण के लिए किए गए ऐसे प्रत्येक आवेदन का, जिसका निपटारा ऐसे प्रारंभ से पूर्व नहीं हुआ है, निपटारा 1971 के नियमों के उपबंधों के अनुसार उसी प्रकार किया जाएगा मानो ये नियम बनाए ही नहीं गए हैं;

(ख) निर्यातकर्ता या उसके प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा इन नियमों के प्रारंभ से पूर्व निर्यात किए गए माल की वापसी के संवाय के लिए किए गए ऐसे प्रत्येक दावे का, जिसका निपटारा ऐसे प्रारंभ से पूर्व नहीं हुआ है, निपटारा, इन नियमों के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा;

(ग) जहां किसी विनिर्माता या निर्यातकर्ता ने इस नियमों के प्रारंभ की तारीख से पूर्व किसी माल

का निर्यात किया है और वापसी के संवाय के लिए कोई दावा फाइल नहीं किया है, वहां ऐसा विनिर्माता या निर्यातकर्ता, इन नियमों के प्रारंभ की तारीख से तीन मास की अवधि के भीतर, नियम 13 में विहित रीति से अपना दावा फाइल कर सकेगा।

(घ) 1971 के नियमों के अधीन अवधारित वापसी की प्रत्येक ऐसी रकम या दर, जो इन नियमों के प्रारंभ के ठीक पहले प्रवृत्त है, इन नियमों के अधीन अवधारित वापसी की रकम या दर, तब तक समझी जाएगी जब तक कि केन्द्रीय सरकार उसे परिवर्तित या अधिकांश नहीं कर देती।

नियम 11 के अधीन वापसी के दावे का प्ररूप

संदर्भ वापसी	उपाबंध—1	मूल
बीजक सं. :	प्ररूप—घ	दूसरी प्रति
तारीख :		तीसरी प्रति
		चौथी प्रति

भाग—1

पार्सल डाक द्वारा वापसी के लिए दावे के अधीन निर्यात किए जाने वाले मास की विशिष्टियां सेवा में,

सीमा शुल्क सहायक कलक्टर  
(वापसी) विदेश डाकघर

प्ररूप सं.

हम,

नीचे उल्लिखित परेषण का निर्यात करने की प्रस्थापना करते हैं।

परैषिती का नाम और पता—

क्रम	पार्सल की तारीख सं.	सकल भार	पार्सल पर चिह्न सं.	पोत पर्यन्त मात्रा
1	2	3	4	5

पोत पर्यन्त मूल्य	शुद्ध वापसी की दर	भार	रकम
			रु. पै.
6	7	8	9

1. प्रमाणित किया जाता है कि माल को विनिर्माण के पश्चात् उपयोग में नहीं लाया गया था ।
2. प्रमाणित किया जाता है कि 1 अक्टूबर, 1994 से ठीक पहले यथाप्रवृत्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 12 और नियम 191ख के अधीन या नियम 13 के अधीन शुल्क के रिबेट के लिए कोई पृथक दावा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राप्ति-कारियों को न तो किया गया है, न ही किया जाएगा और माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्ची सामग्री पर सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का संदाय कर दिया गया है ।

हम यह घोषणा करते हैं कि इसमें की गई घोषणा सही और ठीक है ।

विनिर्माता/निर्यातकर्ता की कार्यालय मुद्रा

हस्ताक्षर—

तारीख :

नाम—

स्थान :

पदनाम—

#### भाग—2

मैंने/हमने उपरोक्त पार्सल जिसमें— अंतर्वस्तु का उपरोक्त ब्योरा दिया है जांच कर ली है । पार्सल मेरी/हमारी उपस्थिति में पैक किया गया है और इस पर सीमा/सीमा को मुद्रा से— जिसमें निम्नलिखित विनिर्माण हैं, मेरे/हमारे द्वारा लगाई गई हैं ।

तारीख :

उस अधिकारी के हस्ताक्षर जिसने परेक्षण की जांच की और मुद्रा लगाई

स्थान :

प्रमाणित किया जाता है कि मेरे पर्यवेक्षण में उपरोक्त नोट किए गए पार्सल की जांच/पैक की गई और उस पर मुद्रा लगाई गई है ।

तारीख :

स्थान :

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक/उपअधीक्षक के हस्ताक्षर)

कार्यालय की मुद्रा :

#### भाग 3

—के पार्सल के साथ अधीक्षक, विदेशी डाक घर, नई दिल्ली की अग्रेषित डाक रसीद सं. —

डाकपाल

डाकघर की तारीख और मुद्रा

डाकघर

#### भाग 4

—पार्सल का निरीक्षण किया गया और मुद्रा सही पाई गई ।

—पार्सल की जांच की और मुद्रा सही नहीं पाई गई ।

निर्यात के लिए पाम

कृपया आगे की कार्रवाई के लिए रोक लें ।

तारीख :

स्थान :

जांचकर्ता के हस्ताक्षर

डाक संबंधी जानकारी देने वाला विभाग

कार्यालय की मुद्रा :

(स्थान)

## भाग 5

प्रमाणित किया जाता है कि इसमें दिए गए ब्यौरे के पासल का भारत से बाहर तारीख—को वायुमार्ग/मनुष्य मार्ग, ईएम्. एम. एन. द्वारा निर्यात कर दिया गया है।

सीमाशुल्क कलक्टर को अधेवित

स्थान :

तारीख :

अधीक्षक के हस्ताक्षर

विदेशी डाक घर

## उपाबंध—2

नियम 13 के अधीन वापसी के दावे का प्ररूप

सीमाशुल्क प्ररूप सं. \_\_\_\_\_

सेवा में,

सीमाशुल्क सहायक कलक्टर

वापसी विभाग

(सीमाशुल्क सदन का नाम और पता)

विषय :—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 75 के अधीन वापसी दावा।

हम सभी गुप्तगन दस्तावेजों की प्रतियों सहित नीचे दिए गए ब्यौरों के अनुसार सीमाशुल्क की वापसी के लिए यह दावा फाइल करना चाहते हैं :

- (1) पोत परिवहन पत्र सं. और तारीख :
- (2) बीजक सं. और तारीख :
- (3) लदान पत्र या वायु-मार्गपत्र सं. और तारीख :
- (4) निर्यातित भाग का वर्णन और परिमाण :
- (5) वापसी उप क्रम सं.
- (6) माल का पौत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य और वर्तमान बाजार मूल्य :
- (7) वापसी दावा की संगणना (संगणना पत्र संलग्न करें)
- (8) यह उपदर्शित करें कि क्या दावा ब्रांडर के अनुसार है
- (9) ब्रांडर पत्र सं. और तारीख तथा उसकी विधिमान्यता अवधि
- (10) जांच रिपोर्ट और जांच बंदपत्र की विशिष्टियां उपदर्शित करें (जहां जहां आवश्यक हो) संलग्नकों की सं.†

## घोषणा

मैं—निर्यातकर्ता—का

प्रतिनिधित्व करने वाला आवेदन, यह घोषणा करता हूं कि ऊपर जो कुछ कथित किया गया है वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सही है। मैं यह भी घोषणा करता हूं कि पोत परिवहन पत्र सं. \_\_\_\_\_ तारीख—से संबंधित वापसी के लिए कोई दावा पहले नहीं किया गया है।

(आवेदक के हस्ताक्षर)

†कृपया संलग्न की गई दस्तावेजों की सूची लगाएं। सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पादशुल्क वापसी नियम, 1995 का नियम 11 देखिए।

## उपाबंध—3

सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पादशुल्क वापसी नियम, 1995 के नियम 15 के अधीन वापसी के लिए अनुपूरक दावे के लिए आवेदन।

(जहां प्राप्त की गई वापसी सरकार द्वारा अंतिम रूप से नियत दर से कम है वहां वापसी के अनुपूरक दावे के लिए आवेदन निम्नलिखित प्ररूप में किया जाना चाहिए।)

सेवा में,

भारसाधक सीमा शुल्क सहायक कलक्टर,

वापसी विभाग।

हम सीमाशुल्क/केन्द्रीय उत्पादशुल्क की वापसी के लिए अनुपूरक दावा करते हैं जो, जैसा कि नीचे स्पष्ट किया गया है, हमें कम संदत की गई है।



## 1. निर्यातकर्ता

- (क) नाम
- (ख) पता
- (ग) टेलीफोन सं.
- (घ) निकासी अधिकर्ता का नाम

## 2. निर्यातित माल

- (क) वर्णन
- (ख) परिमाण
  - (i) सकल
  - (ii) शुद्ध
- (ग) बिल और सं.
- (घ) गंतव्य स्थान
- (ङ) पोत परिवहन पत्र सं. और तारीख

## 3. जलयान

- (क) नाम
- (ख) चक्रानुक्रम सं.

## 4. पहले ही संदत्त वापसी

- (क) रकम
- (ख) सीमाशुल्क संदर्भ सं.
- (ग) परिमाण/मूल्य, जिस पर अनुज्ञात की गई :
- (घ) दर जिस पर अनुज्ञात की गई

## 5. अब दावा की गई वापसी

- (क) रकम
- (ख) परिमाण/मूल्य जिस पर अनुज्ञात की गई
- (ग) दर जिस पर अनुज्ञात की गई ।

## 6. अनुपूरक दावे के लिए कारण

## 7. संलग्न दस्तावेजों की संख्याएं

## घोषणा

1. मैं/हम घोषणा करता हूं/करते हैं कि वापसी का अनुपूरक दावा निर्यात किए गए माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्ची सामग्री पर संदत्त सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पर आधारित है और इस प्रकार संदत्त शुल्क का केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के अधीन रिबेट के रूप में दावा नहीं किया गया है।

2. मैं/हम घोषणा करता हूं/करते हैं कि इसमें की गई घोषणा सही और ठीक है ।

हस्ताक्षर-----

पदनाम-----

कृपया नियम 6 या नियम 7 के अधीन अवधारित वापसी की दर से संबंधित सं सूचना की प्रति अनुपूरक दावे के समर्थन में कोई अन्य दस्तावेज या अन्य ऐसे दस्तावेज, जो सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विहित किया जाए, संलग्न करें। कृपया संगणना पत्र भी संलग्न करें।

[फा. सं. 602/4/95-डी.बी.के.]

ए. के. मदान, अवर सचिव

## NOTIFICATION

New Delhi, the 26th May, 1995

NO. 37/95-CUSTOMS & CENTRAL  
EXCISES (NT)

G.S.R. 441(E).—In exercise of the powers conferred by section 75 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title, extent and commencement:—

- (1) These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1995.
- (2) They extend to the whole of India.
- (3) They shall come into force on the 26th day of May, 1995.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) “drawback”, in relation to any goods manufactured in India, and exported, means the rebate of duty chargeable on any imported materials or excisable materials used in the manufacture of such goods;
- (b) “excisable material” means any material produced or manufactured in India subject to a duty of excise under the Central Excise And Salt Act, 1944 (1 of 1944);
- (c) “export”, with its grammatical variations and cognate expressions, means taking out of India to a place outside India and includes loading of provisions or store or equipment for use on board a vessel or aircraft proceeding to a foreign port;
- (d) “imported material” means any material imported into India and on which duty is chargeable under the Customs Act, 1962 (52 of 1962);
- (e) “manufacture” includes processing of or any other operation carried out on goods, and the term manufacturer shall be construed accordingly.

3. Drawback.—

(1) Subject to the provisions of:—

- (a) the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and the rules made thereunder;

- (b) the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the rules made thereunder, and

(c) these rules,

a drawback may be allowed on the export of goods of such amount, or at such rates, as may be determined by the Central Government.

Provided that where any goods are produced or manufactured from imported materials or excisable materials on some of which only, duty chargeable thereon has been paid and not on the rest, or only a part of the duty chargeable has been paid; or the duty paid has been rebated or refunded in whole or in part or given as credit, under any of the provisions of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and the rules made thereunder, or of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the rules made thereunder, the drawback admissible on the said goods shall be reduced taking into account the lesser duty paid or the rebate, refund or credit obtained:

Provided further that no drawback shall be allowed:—

- (i) if the said goods, except tea chests used as packing material for export of blended tea, have been taken into use after manufacture;
- (ii) if the said goods are produced or manufactured, using imported materials or excisable materials in respect of which duties have not been paid; or
- (iii) on jute batching oil used in the manufacture of export goods, namely, jute (including Bimlipat jut or mesta fibre), yarn, twist, twine, thread, cords and ropes;
- (iv) if the said goods, being packing materials have been used in or in relation to the export of:—
  - (1) jute yarn (including Bimlipatam jute or mesta fibre), twist, twine, thread and ropes in which jute yarn predominates in weight;
  - (2) jute fabrics (including Bimlipatam jute or mesta fibre), in which jute predominates in weight;
  - (3) jute manufactures not elsewhere specified (including Bimlipatam jute or mesta fibre) in which jute predominates in weight.

(2) In determining the amount or rate of drawback under this rule, the Central Government shall have regard to,—

- (a) the average quantity or value of each class or description of the materials from which a particular class of goods is ordinarily produced or manufactured in India;

- (b) the average quantity or value of the imported materials or excisable materials used for production or manufacture in India of a particular class of goods;
- (c) the average amount of duties paid on imported materials or excisable materials used in the manufacture of semis, components and intermediate products which are used in the manufacture of goods; goods;
- (d) the average amount of duties paid on materials wasted in the process of manufacture and catalytic agents ;

Provided that if any such waste or catalytic agent is re-used in any process of manufacture or is sold, the average amount of duties on the waste or catalytic agent re-used or sold shall also be deducted;

- (e) the average amount of duties paid on imported materials or excisable materials used for containing or packing the export goods;
- (f) any other information which the Central Government may consider relevant or useful for the purpose.

4. Revision of rates.—The Central Government may revise amount or rates determined under rule 3.

5. Determination of date from which the amount or rate of drawback is to come into force and the effective date for application of amount or rate of drawback.—

- (1) The Central Government may specify the period upto which any amount or rate of drawback determined under rule 3 or revised under rule 4, as the case may be, shall be in force.
- (2) Where the amount or rate of drawback is allowed with retrospective effect, such amount or rate shall be allowed from such date as may be specified by the Central Government by notification in the Official Gazette which shall not be earlier than the date of changes in the rates of duty on inputs used in the export goods.
- (3) The provisions of section 16, or subsection (2) of section 83, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) shall determine the amount or rate of drawback applicable to any goods exported under these rules.

6. Cases where amount or rate of drawback has not been determined :—

- (1)(a) Where no amount or rate of drawback has been determined in respect of

any goods, any manufacturer or exporter of such goods may, within 60 days from the date relevant for applicability of the amount or rate of drawback in terms of sub-rule (3) of rule 5, apply in writing to the Central Government for the determination of the amount or rate of drawback therefor stating all relevant facts including the proportion which the materials or components are used in the production or manufacture of goods and the duties paid on such materials or components :

Provided that the Central Government may, if it is satisfied that the manufacturer or exporter was prevented by sufficient cause from filing the application within the aforesaid time allow such manufacturer or exporter to file such application within a further period of thirty days.

- (b) On receipt of an application under clause (a) the Central Government shall, after-making or causing to be made such inquiry as it deems fit, determine the amount or rate of drawback in respect of such goods.
- (2) (a) Where an exporter desires that he may be granted drawback provisionally, he may, while making an application under clause (a) of sub-rule (1) apply in writing to the Central Government that a provisional amount be granted to him towards drawback on the export of such goods pending determination of the amount or rate of drawback under clause (b) of that sub-rule.
- (b) The Central Government may after considering the application authorise the Collector of Customs at the port where the goods are exported to pay provisionally an amount not exceeding the amount claimed by the exporter in respect of such export:

Provided that the Collector of Customs may, for the purpose of allowing provisional payment of drawback in respect of such export, require the exporter to enter into a general bond for such amount, and subject to such conditions, as the Collector of Customs may direct; or to enter into a bond for an amount not exceeding the full amount claimed by such exporter as drawback in respect of a particular consignment and binding himself:—

- (i) to refund the amount so allowed provisionally, if for any reason, the Central Government decided not to allow drawback; or
- (ii) to refund the excess, if any, paid to him provisionally if the Central Government decided to allow a drawback.

Provided further that when the amount or rate of drawback payable on such goods is finally determined, the amount provisionally paid to such exporter shall be adjusted against the drawback finally payable and if the amount so adjusted is in excess or falls short of the drawback finally payable, he shall repay to the Collector of Customs the excess or be entitled to the deficiency, as the case may be.

(c) The bond referred to in clause (b) may be with such surety or security as the Collector of Customs may direct.

(3) Where the Central Government considers it necessary so to do, it may cancel authorisation referred to in sub-rule (2) from such date as it may specify.

7. Cases where amount or rate of drawback determined is low.—(1) Where, in respect of any goods, the manufacturer or exporter finds that the amount or rate of drawback determined under rule 3 or, as the case may be, revised under rule 4, for the class of goods is less than four-fifth of the duties paid on the materials or components used in the production or manufacture of the said goods, he may within sixty days from the date relevant for the applicability of the amount or rate of drawback in terms of sub-rule (3) of rule 5, make an application in writing to the Central Government for fixation of appropriate amount or rate of drawback stating all relevant facts including the proportion in which the materials or components are used in the production or manufacture of goods and the duties paid on such materials or components:

Provided that the Central Government may, if it is satisfied that the manufacturer or exporter was prevented by sufficient cause from making the application within the aforesaid time, allow such manufacturer or exporter to make such application within a further period of thirty days.

(2) On receipt of the application referred to in sub-rule (1), the Central Government may, after making or causing to be made such inquiry as it deems fit, allow payment of drawback to such exporter at such amount or at such rate as may be determined to be appropriate, if the amount or rate of drawback determined under rule 3 or, as the case may be, revised under rule 4, is in fact less than four-fifth of such amount or rate determined under this sub-rule.

(3) Where an exporter desires that he may be granted drawback provisionally, he may, while making an application under sub-rule (1) apply to the Central Government in writing in this behalf in the manner as has been provided in clause (a) of sub-rule (2) of rule 6 for the applications made under that rule and the grant of provisional drawback shall be considered in the manner and subject to the conditions specified in clauses (b) and (c)

of sub-rule (2), and sub-rule (3) of rule 6, subject to the condition that bond required to be executed by the claimant shall only be for the difference between amount or rate of drawback determined under rule 3 or as the case may be, revised under rule 4, and the provisional drawback authorised by the Central Government under these rules.

8. Cases where no amount or rate of drawback is to be determined.—(1) No amount or rate of drawback shall be determined in respect of any goods under rule 6 or rule 7, as the case may be, rule 7, the amount or rate of drawback of which would be less than two per cent of the F.O.B. Value thereof, except where the amount of drawback per shipment exceeds five thousand rupees.

(2) No amount or rate of drawback shall be determined in respect of any goods or class of goods under rule 6 or rule 7, as the case may be, if the export value of each of such goods or class of goods in the bill of export or shipping bill is less than the value of the imported materials used in the manufacture of such goods or class of goods, or is not more than such percentage of the value of the imported materials used in the manufacture of such goods or class of goods as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, specify in this behalf.

9. Power to require submission of information and documents. For the purpose of—

(a) determining the class or description of materials or components used in the production or manufacture of goods or for determining the amount of duty paid on such materials or components, or

(b) verifying the correctness or otherwise of any information furnished by any manufacturer or exporter or other persons in connection with the determination of the amount or rate of drawback, or

(c) verifying the correctness or otherwise of any claim for drawback, or

(d) obtaining any other information considered by the Central Government to be relevant or useful, any officer of the Central Government specially authorised in this behalf by an Assistant Collector of Customs or of Central Excise, may require any manufacturer or exporter of goods or any other person likely to be in possession of the same to furnish such information and to produce such books of account and other documents as are considered necessary by such officer.

10. Access to manufactory.—Whenever an officer of the Central Government specially authorised in this behalf by an Assistant Collector of Customs or of Central Excise, considers it necessary, the manufacturer shall give access at all reasonable

times to the officer so authorised to every part of the premises in which the goods are manufactured, so as to enable the said officer to verify by inspection the process of, and the materials or components used for the manufacture of such goods, or otherwise the entitlement of the goods for drawback or for a particular amount or rate of drawback under these rules.

11. Procedure for claiming drawback on goods ported by post.—(1) Where goods are to be exported by post under a claim for drawback under these rules,—

- (a) the outer packing carrying the address of the consignee shall also carry in bold letters the words "DRAWBACK EXPORT";
- (b) the exporter shall deliver to the competent Postal Authority, alongwith the parcel or package, a claim in the form at Annexure I, in quadruplicate, duly filled in.

(2) The date of receipt of the aforesaid claim form by the proper officer of Customs from the postal authorities shall be deemed to be date of filing of drawback claim by the exporter for the purpose of section 75A and an intimation of the same shall be given by the proper officer of Customs to the exporter in such form as the Collector of Customs may prescribe.

(3) In case the aforesaid claim form is not complete in all respects, the exporter shall be informed of the deficiencies therein within fifteen days of its receipt from postal authorities by a deficiency memo in the form prescribed by the Collector of Customs, and such claim shall be deemed not to have been received for the purpose of sub-rule (2).

(4) When the exporter complies with the requirements specified by the deficiency memo within thirty days of its return, he shall be issued an acknowledgement by the proper officer in the form prescribed by the Collector of Customs and the date of such acknowledgement shall be deemed to be date of filing the claim for the purpose of section 75-A.

12. Statements/Declarations to be made on exports other than by Post.

(1) In the case of exports other than by post, the exporters shall at the time of export of the goods—

- (a) state on the shipping bill or bill of export, the description, quantity and such other particulars as are necessary for deciding whether the goods are entitled to drawback, and if so, at what rate or rates and

make a declaration on the relevant shipping bill or bill of export that—

- (i) a claim for drawback under these rules is being made;
- (ii) the duties of Customs and Central Excise have been paid in respect of the containers, packing materials and materials used in the manufacture of the export goods on which drawback is being claimed and that in respect of such containers or materials no separate claim for rebate of duty under the Central Excise Rules, 1944 has been or will be made to the Central Excise authorities;
- (b) furnish to the proper officer of Customs, a copy of shipment invoice or any other document giving particulars of the description, quantity and value of the goods to be exported.

(2) Where the amount or rate of drawback has been determined under rule 6 or rule 7, the exporter shall make an additional declaration on the relevant shipping bill or bill of export that—

- (a) there is no change in the manufacturing formula and in the quantum per unit of of the imported materials or components if any, utilised in the manufacture of export goods; and
- (b) the materials or components, which have been stated in the application under rule 6 or rule 7 to have been imported, continue to be so imported and are not being obtained from indigenous sources.

13. Manner and time for claiming drawback on goods exported other than by post.—(1) A claim for drawback under these rules shall be filed in the form prescribed at Annexure II within three months from the date relevant for the applicability of amount or rate of drawback in terms of sub-rule (3) of rule 5.

Provided that the Assistant Collector of Customs may, if he is satisfied that exporter was prevented by sufficient cause from filing his claim within the aforesaid period of three months, allow the manufacturer or exporter to file his claim within a further period of three months.

(2) The claim shall be filed in triplicate alongwith the following documents, namely: —

- (i) Pre-Receipt for drawback claim in the prescribed form prescribed by the Collector of Customs.
- (ii) Triplicate copy of Shipping Bill.
- (iii) Copy of Bank Certified Invoice.
- (iv) Copy of Packing list.

- (v) Copy of Bill of Lading/Airway Bill.
- (vi) Copy of AR. 4 Form, whenever applicable.
- (vii) Insurance certificate where necessary.
- (viii) Copy of Test Report where the goods have been subjected to a test.
- (ix) Copy of communication regarding rate of drawback where the drawback claim is for a rate determined by the Central Government under rule 6 or rule 7 of these rules.
- (x) Declaration to be filed by the exporter under these rules.
- (xi) Any other documents as may be specified, in the deficiency memo.

(3) The date of filing of the claim for the purpose of section 75-A, shall be the date of affixing the Dated Receipt Stamp on the claims which are complete in all respects, for which an acknowledgement shall be issued in such form as may be prescribed by the Collector of Customs.

(4) (a) Any claim which is incomplete in any materials particulars or is without the documents specified in sub-rule (2), shall not be accepted for the purpose of section 75-A and such claim shall be returned to the claimant with a deficiency memo in the form prescribed by the Collector of Customs within fifteen days of submission and shall be deemed not to have been filed.

(b) Where the exporter complies with the requirements specified in the deficiency memo within thirty days from the date of receipt of deficiency memo, the same will be treated as a claim filed under sub-rule (1).

(5) Where any order for payment of drawback is made by the Collector (Appeals), Central Government or any Court against an order of the proper officer of Customs, the manufacturer or exporter may file a claim in the manner prescribed in this rule within three months from the date of receipt of the order so passed by the Collector (Appeal), Central Government or the Court, as the case may be.

(6) For computing the period of three months prescribed under sub-rule (4) for filing of a claim by the exporter, the time taken in testing of the export goods, where such goods were subjected to test, in excess of one month, shall be excluded.

14. Payment of drawback and interest.—(1) The drawback under these rules and interest, if any shall be paid by the proper officer of Customs to the exporter or to the agent specially authorised by the exporter to receive the said amount of drawback and interest;

(2) The officer of Customs may combine one or more claims for the purpose of payment of drawback and interest, if any, as well as adjustment of any amount of drawback and interest already paid may issue a consolidated order for payment.

(3) The date of payment of drawback and interest, if any, shall be deemed to be, in the case of payment:—

- (a) by cheque, the date of issue of such cheque, or
- (b) by credit in the exporter's account maintained with the Custom House, the date of such credit.

15. Supplementary claim.—(1) Where any exporter finds that the amount of drawback paid to him is less than what he is entitled to on the basis of the amount or rate of drawback determined by the Central Government, he may prefer a supplementary claim in the form at Annexure III.

Provided that the exporter shall prefer such supplementary claim within a period of three months.—

- (i) Where the rate of drawback is determined or revised under rule 3 or rule 4, from the date of publication of such rate in the official Gazette;
- (ii) Where the rate of drawback is determined or revised upward under rule 6 or rule 7, from the date communicating the said rate to the person concerned;
- (iii) in all other cases, from the date of payment or settlement of the original drawback claim by the proper officer.

(2) Save as otherwise provided in this rule, no supplementary claim for drawback shall be entertained.

(3) The date of filing of the supplementary claim for the purpose of section 75-A shall be the date of affixing the Dated Receipt Stamp on such claim which are complete in all respects and for which an acknowledgement shall be issued in the form prescribed by the Collector of Customs.

(4) (a) Claims which are not complete in all respects or are not accompanied by the required documents shall be returned to the claimant with a deficiency memo in the form prescribed by the Collector of Customs within fifteen days of submission and shall be deemed not to have been filed.

(b) Where the exporter complies with requirements specified in the deficiency memo within thirty days from the date of receipt of deficiency memo the same will be treated as a claim filed under sub-rule (1).

16. Repayment of erroneous or excess payment of drawback and interest.—Where an amount of drawback and interest, if any, has been paid erroneously or the amount so paid is in excess of what the claimant is entitled to, the claimant shall, on demand by a proper officer of Customs repay the amount so paid erroneously or in excess, as the case may be, and where the claimant fails to repay the amount it shall be recovered in the manner laid down in sub-section (1) of section 142 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

17. Power to relax.—If the Central Government is satisfied that in relation to the export of any goods, the exporter or his authorised agent has, for reasons beyond his control, failed to comply with any of the provisions of these rules, and has thus been entitled to drawback, it may, after considering the representation, if any, made by such exporter or agent, and for reasons to be recorded in writing, exempt such exporter or agent from the provisions of such rule and allow drawback in respect of such goods.

18. Repeal and saving.—(1) As from the commencement of these rules, the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1971 (hereinafter in this rule referred to as the 1971 Rules) shall cease to operate.

(2) Notwithstanding such cesser of operation—

(a) every application made by a manufacturer or exporter for the determination or revisions of the amount or rate of drawback in respect of goods exported before the commencement of these rules but not disposed of before such commencement shall be disposed of in accordance with the provisions of the 1971 Rules as if these rules had not been made;

(b) any claim made by an exporter or his authorised agent for the payment of drawback in respect of goods exported before the commencement of these rules but not disposed of before such commencement shall be disposed of in accordance with the provisions of these rules.

(c) where a manufacturer or exporter has exported any goods before the date of commencement of these rules and has not filed any claim for payment of drawback, such manufacturer or exporter may file his claim within a period of three months from the date of commencement of these rules, in the manner prescribed in rule 13.

(d) every amount or rate of drawback determined under the 1971 Rules and in force immediately before the commencement of these rules shall be deemed to be the amount or rate of drawback determined under these rules until altered or superceded by the Central Government.

Original  
Duplicate  
Triplicate  
Quadruplicate

FROM FOR CLAIM OF DRAWBACK  
UNDER RULE 11  
ANNEXURE I  
FORM D

Ref. Dbk.  
Invoice No.  
Dated :

PART I  
PARTICULARS OF GOODS TO BE  
EXPORTED BY PARCEL POST UNDER  
CLAIM FOR DRAWBACK  
FORM NO.

To

The Assistant Collector of Customs,  
(Drawback) Foreign Post Office,

We, ..... Propose to  
export the undermentioned consignment.

Name and Address of the Consignee.....

S. No.	Date of Parcels	Gross Weight	Marks/No on Pcs.	Qty.	FOB value	Rate of net Dbk	Weight	Amount Rs. P.
1	2	3	4	5	6	7	8	9

1. Certified that the goods were not taken into use after the manufacture.

2. Certified that no separate claim for rebate of duty has been made or will be made to the Central Excise Authorities under rule 12 and Rule 191-B as in force immediately before 1st October, 1994 or under rule 13 of Central Excise rule 1944 and that the Customs and Central Excise duty has been paid on the raw material used in the manufacture of the goods. We hereby declare that the declaration made herein is true and correct.

OFFICE seal of  
Manufacturer|Exporter

Dated :

Place :

Signature.....

Name.....

Designation.....

### PART II

I have examined the above parcels which contain.....detailed above. The parcels have been packed in my presence and sealed by me with lead|wax seal No.....bearing the following particulars.....

Date :

Place :

Signature of officer who examined  
and sealed the consignment

Certified that the above noted parcels were examined, packed and sealed under my supervision.

Date :

Place :

Seal of Office :

(Signature of Supdt|Dy. Supdt.  
Central Excise)

### PART III

Forwarded alongwith.....parcels to the Superintendent, Foreign Post Office, New Delhi, postal receipt No.....

Date and Seal of  
Post Office

Post Master  
Post Office

### PART IV

Inspected.....Parcels and found the seals intact. Examined.....Parcels where the seals were not found intact.....

Pass for export

Please detain for further action

Date :

Place :

Seal of Office :

Signature of Examiner  
Postal Appraising Department  
.....  
(Place)

### PART V

Certified that the parcels detailed herein have been exported out of India on.....by  
.....Air|Sea Ex. S.S.....Forwarded to the Collector of Customs.....

Place :

Date :

Signature of Superintendent  
Foreign Post Office

### ANNEXURE II

#### FORM FOR CLAIM OF DRAWBACK UNDER RULE 13

Customs Form No.....

To

The Asstt. Collector of Customs,  
Drawback Department,  
(Name and Address of the  
Custom House)

Sub : Drawback claim under Sec. 75 of the  
Customs Act, 1962.

We wish to lodge this claim for Drawback of duty of Customs as per the details below together with copies of all the relevant documents :

1. Shipping Bill No. & date :

2. Invoice No. & date :

3. Bill of Lading or Airway  
Bill No. & date :

4. Description and quantity  
of goods exported :



- |  |  |
|--|--|
| 5. Drawback sub-serial No. :   | (c) (i) Gross                          |
| 6. F.O.B. value & present market value of goods :                          | (ii) Net                               |
| 7. Calculation of drawback claim (worksheet attached) :                    | (d) Marks and No.                      |
| 8. Indicate whether th claim is as per brand rate :                        | (e) Destination                        |
| 9. Brand rate letter No. & date and its validity period :                  | (f) Shipping Bill No. and Date         |
| 10. Indicate particulars of Test report & Test bond (Wherever necessary) : | 3. Vessel                              |
| 11. No. of enclosures* :   | (a) Name                               |
|  | (b) Rotation No.                       |
|  | 4. Drawback already paid               |
|  | (a) Amount                             |
|  | (b) Customs House Reference No.        |
|  | (c) Quantity/Value on which allowed    |
|  | (d) Rate at which allowed.             |
|  | 5. Drawback now claimed                |
|  | (a) Amount                             |
|  | (b) Quantity/Value on which allowed.   |
|  | (c) Rate at which claimed.             |
|  | 6. Reason for the supplementary claim. |
|  | 7. No. of documents enclosed.          |

**DECLARATION**

I \_\_\_\_\_, the applicant representing the exporter \_\_\_\_\_ do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief, I also declare that no drawback has been claim earlier pertaining to and Shipping Bill No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_.

(Signature of the Applicant)

\*Please attach a list of documents enclosed. Refer Rule 13 of Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1995.

**ANNEXURE III**

**APPLICATION FOR SUPPLEMENTARY CLAIM FOR DRAWBACK UNDER RULE 15 OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE DUTIES DRAWBACK RULES, 1995**

(Where the drawback received falls short of the rate finally fixed by the government, application for supplementary claim of drawback should be made in the following form)

To

The Assistant Collector of Customs in-charge Drawback Department.

We hereby make a supplementary claim for drawback of Customs Central excise which has been less paid to us as explained herein.

1. Exporter
  - (a) Name
  - (b) Address
  - (c) Telephone No.
  - (d) Name of Clearing Agent.
2. Goods exported
  - (a) Description
  - (b) Quantity

**DECLARATION**

1. I/We hereby declare that the supplementary claim of drawback is based on the customs and Central Excise Duties paid on the raw materials used in the manufacture of goods exported the duties so paid has not been claimed as rebate under the Central Excise Rules, 1944.

2. I/We hereby declare that the declaration made herein is true and correct.

Signature\_\_\_\_\_

Designation\_\_\_\_\_

\*Please enclose copy of communication regarding rate of drawback determined under rule 6 or 7 any other document in support of supplementary claim, or other documents as may be prescribed by Collector of Customs. Please also enclose calculation sheet.

[F. No. 602/4/95-DBK]

A. K. MADAN, Under Secy.

